अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : आठवीं – जैन धर्म भूषण (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'रूयं' का अर्थ है-

(क) किन्ही (ख) शब्द करना

(ग) आगे जाना (घ) पीछे जाना ( )

(b) वर्तमान की साधना में भूतकाल की स्मृति चंचलता उत्पन्न न करें, इस दृष्टि से साधक किस महाव्रत में पूर्वभुक्त भोगों के लिए प्रतिक्रमण करता है-

(क) प्रथम (ख) द्वितीय

(ग) तृतीय (घ) चतुर्थ ( )

(c) मुख्य रूप से त्रस जीव के प्रकार होते हैं -

(क) 8 (ख) 06

(ग) 03 (घ) 04 ( )

(d) किस सूत्र की प्रथम प्रतिपत्ति में प्राण और योग ये दो अंतिम द्वार नहीं है-

(क) आचारांग (ख) जीवाभिगम

(ग) दशवैकालिक (घ) जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति ( )

(e) युगलिक मनुष्य में लेश्या पाई जाती हैं -

(क) 01 (ख) 03

(ग) 04 (घ) 02 ( )

(f) वायुकाय में समुद्घात नहीं पाई जाती है-

(क) वैक्रिय (ख) कषाय

(ग) वेदनीय (घ) तैजस ( )

(g) 'जीवन की क्षणभंगुरता' का चिन्तन, उपाय है -

(क) क्रोधविजय का (ख) मानविजय का

(ग) मायाविजय का (घ) लोभविजय का ( )

(h) 'वीरत्थुइ' की किस गाथा में जिज्ञासा का विषय इंगित किया गया है -

(क) चौथी (ख) दूसरी

(ग) पाँचवी (घ) सातवीं ( )

(i) 'वेणुदेव' है -

(क) हाथी (ख) सिंह

(ग) गरुड़ (घ) पर्वत ( )

(j) भगवान ऋषभदेव अपने छठे भव में थे-

(क) मनुष्य (ख) युगलिक मनुष्य

(ग) देव (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) न निसीआविज्जा का अर्थ 'बिठावे नहीं' है। ( )

(b) अंगार के सूक्ष्म कण में असंख्य जीव नहीं है। ( )

(c) आघात, टकराहट और अग्नि आदि शस्त्रों से वायु सचित्त होती है। ( )

(d) नारकी और देवों में नवग्रैवेयक तक 6 उपयोग पाते हैं। ( )

(e) वनस्पतिकाय की उत्कृष्ट अवगाहना 10000 योजन झाझेरी है। ( )

(f) चौरेन्द्रिय में 6 उपयोग पाते हैं। ( )

(g) दशवैकालिक सूत्र में फरमाया कि क्रोध का त्याग करने से जीव क्षमाभाव को प्राप्त करता है। ( )

(h) सूत्रकृतांग सूत्र उत्कालिक होने से इसका स्वाध्याय दिनरात्रि के अंतिम प्रहर में करना चाहिए। ( )

(i) वीरत्थुइ में भगवान ने अध्यात्म के चार दोष बताये हैं। ( )

(j) उत्कृष्ट दर्शनाराधना का फल क्षायिक सम्यक्त्व है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरे अभाव में साधक प्रत्येक क्रिया में पाप कर्म का बंध करता है। .....

(b) मुझसे साधक भोगों की असारता को समझकर देव और मनुष्य भव के भोगों से विरक्त हो जाता है। .....

(c) मुझको खुला रखने से अन्य पाप भी आसानी से प्रविष्ट होते रहते हैं। .....

(d) मेरे सेवन से शरीर पुष्ट होता है। .....

(e) मेरी उत्कृष्ट स्थिति 33 सागरोपम की है। .....

(f) मुझमें छह संहननों में से एक मात्र वज्रऋषभनाराच संहनन ही पाता है। .....

(g) मुझ पर विजय प्राप्त करने से विनय गुण की प्राप्ति होती है। .....

(h) मेरे तीन काण्ड या विभाग है। .....

(i) मैं आयताकार पर्वतों में श्रेष्ठ हूँ। .....

(j) मेरी गति जघन्य प्रथम देवलोक बतलायी है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **जया जोगे निरुंभित्ता, सेलेसिं पडिवज्जइ।**
तया कम्मं खवित्ताणं, सिद्धिं गच्छइ नीरओ।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

(b) **त्रस जीव के कोई दो प्रकार लिखिए।**

.....

.....

(c) **निम्न शब्दों में अर्थ लिखिए।**

एसो ..... **रण्णे** .....

चेलेण ..... **उज्जुमइ** .....

(d) **नारकी और देवों में कितने व कौन-कौन से योग पाये जाते हैं ?**

.....

.....

(e) **असन्नी मनुष्य की गति-आगति लघुदण्डक के आधार से लिखिए।**

.....

.....

(f) **सिद्ध भगवान की अवगाहना लिखिए।**

.....

.....

(g) **माया-विजय के कोई दो उपाय लिखिए।**

.....

.....

(h) **अनन्तानुबन्धी क्रोध को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(i) **गाथा को पूर्ण करके लिखिए।**

महीइ .....

.....**अच्चिमाली।।**

(j) **गाथा को पूर्ण कीजिए।**

से वारिया.....

.....सव्ववारं।।

(k) **निम्न अर्थ वाले प्राकृत शब्द लिखिए।**

मनुष्य ..... वमन करने वाला .....

जहाँ ..... सौ .....

(l) **निम्न गाथा का भावार्थ लिखिए।**

जहा सयंभू उदहीण सेट्ठे, नागेसु वा धरणिदंमाहु सेट्ठे।
खोओदए वा रसवेजयंते, तवोवहाणे मुणि वेजयंते।

.....

.....

.....

(m) **मध्यम ज्ञान-दर्शन और चारित्र की आराधना वाले जीवों के भव लिखिए।**

.....

.....

(n) **दर्शनाराधना का स्वरूप समझाइए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **14x3 = (42)**

(a) **सुहसायगस्स समणस्स, सायाउलगस्स निगामसाइस्स।**
उच्छोलणापहोयस्स, दुल्लहा सुगइ तारिसगस्स।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(b) रिक्त स्थान की पूर्ति करके भावार्थ लिखिए-

जया संवर.....

.....कडं।।

भावार्थ.....

.....

.....

(c) क्रिया अर्थात् आचरण से पहले ज्ञान क्यों आवश्यक है ? समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) निम्न अर्थ वाले प्राकृत शब्द लिखिए।

जानता हुआ .....

मैथुन को .....

हिंसा करता है .....

आभ्यन्तर .....

स्वर्गलोक को .....

तब .....

(e) पाँचवें महाव्रत में जैन मुनि क्या प्रतिज्ञा करते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **पाँच स्थावर तथा असन्नी मनुष्य में अवगाहना द्वार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **तीन विकलेन्द्रिय तथा असन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में प्राण द्वार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **गर्भज मनुष्य में स्थिति द्वार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **युगलिक मनुष्य में गति-आगति लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **मरण किसे कहते हैं ? भेद सहित स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **लोभ-विजय के कोई तीन उपाय लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **गाथा को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।**

सोच्चा.....

.....**समायरे।।**

भावार्थ-.....

.....

.....

.....

(m) **गाथा को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।**

से वीरएणं.....

.....**णेगगुणोववेए।।**

भावार्थ.....

.....

.....

(n) **आराधना से सम्बन्धित कोई तीन तथ्य (फलित सिद्धान्त) लिखिए।**

.....

.....

.....

.....